मशरूम उत्पादन से आय बढ़ाने की दिशा में पंतनगर विश्वविद्यालय की पहल

पंतनगर। 22 सितम्बर 2025। पंतनगर विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केंद्र, ढकरानी के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित जनजातीय उपयोजना (टी.एस.पी.) परियोजना के अन्तर्गत 22–23 सितम्बर 2025 को ग्राम हरिपुर, देहरादून में दो–दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदाय को मशरूम की खेती, प्रबंधन और मूल्य संवर्द्धन से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन परियोजना समन्वयक डा. श्वेता चौधरी एवं सह–परियोजना अधिकारी डा. रूचि रानी गंगवार ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने प्रतिभागी किसानों को मशरूम उत्पादन के साथ–साथ उसके विपणन, पैकेजिंग और स्टार्टअप समर्थन योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डा. चौधरी ने बताया कि वर्तमान समय में मशरूम केवल एक सब्जी न होकर रोज़गार और उद्यमिता का महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। प्रशिक्षण के दौरान डा. हिरेशा वर्मा और श्री सुभम बडोला ने मशरूम की खेती, रोग एवं कीट प्रबंधन और उससे जुड़े मूल्य संवर्द्धित उत्पाद बनाने की तकनीक पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। साथ ही प्रतिभागियों को ऑस्टर मशरूम रेडीमेड बैग, बटन मशरूम रेडीमेड बैग, प्लास्टिक स्प्रे, फार्मेलीन और आवश्यक रसायन सामग्री भी वितरित की गई, ताकि वे प्रशिक्षण के बाद तुरंत उत्पादन कार्य शुरू कर सकें। डा. ए.के. शर्मा, प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र, ढकरानी ने कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं ग्राम हरिपुर की पूर्व प्रधान श्रीमती रेखा ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया और महिलाओं को मशरूम उत्पादन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन पर किसानों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताया और आश्वासन दिया कि वे सीखी गई तकनीकों को अपनाकर अपने गांव में मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देंगे। आयोजकों का मानना है कि ऐसे प्रशिक्षण से जनजातीय समुदाय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।